बच्चों के हक पर लापरवाही की मार! कहीं ताले, तो कहीं नहीं मिला खाना

▶ आंगनवाड़ी केन्द्रों के निरीक्षण में सामने आई भारी लापरवाही

नवभारत न्यूज

रतलाम। जिले में आंगनवाड़ी केन्द्रों की व्यवस्था उस समय कटघरे में आ गई, जब वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा किए गए औचक निरीक्षण में भारी अव्यवस्थाएं सामने आईं। निरीक्षण के दौरान कई केन्द्रों पर कार्यकर्ता और सहायिकाएं अनुपस्थित मिलीं, वहीं कई स्थानों पर बच्चों को न तो नाश्ता मिला और न ही भोजन। इस गंभीर लापरवाही को देखते हुए जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों पर कार्रवाई की गई है।

कलेक्टर मिशा सिंह के निर्देश पर हुए इस निरीक्षण की जानकारी देते हुए जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग रामनिवास बुधोलिया ने बताया कि परियोजना बाजना के अंतर्गत संदला-1 और परियोजना सैलाना के अंतर्गत बल्लापाड़ा आंगनवाड़ी केन्द्र बंद पाए गए। दोनों ही स्थानों पर कार्यकर्ता अनुपस्थित थीं, जिससे व्यवस्थाओं की पोल खुल गई।

निरीक्षण में यह भी सामने आया कि पर्यवेक्षकों द्वारा अपने अधीनस्थ कर्मचारियों पर पर्याप्त नियंत्रण नहीं रखा जा रहा है। इस पर परियोजना बाजना की पर्यवेक्षक श्यामा सिंगाड़ और सैलाना की पर्यवेक्षक अनिता खांदल को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

सबसे गंभीर स्थिति भोजन व्यवस्था को लेकर सामने आई। बल्लापाड़ा केन्द्र पर सूरज स्वयं सहायता समूह द्वारा बच्चों को न तो नाश्ता दिया गया और न ही भोजन उपलब्ध कराया गया। इसके चलते आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मंजु विश्राम और सहायिका कृष्णा प्रभुलाल को भी नोटिस जारी किया गया है।

इसके अलावा धनजीबाई का नोहरा (रतलाम शहर-2), बरसी (आलोट), भैसा डावर (रतलाम ग्रामीण-2) और हेवतखेड़ा (जावरा ग्रामीण) केन्द्रों पर भी बच्चों को निर्धारित मेन्यू के अनुसार ताजा पका हुआ भोजन नहीं दिया जा रहा था।

इस पूरे मामले में विभाग ने सख्त रुख अपनाते हुए चार परियोजना अधिकारियों—अर्चना माहौर, अंकिता पाटीदार, मोनिका शुक्ला और फिरदौस खान—को भी कारण बताओ नोटिस जारी किया है। प्रशासन ने स्पष्ट संकेत दिए हैं कि बच्चों के पोषण और देखभाल में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषियों पर आगे भी कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

निरीक्षण में बंद मिले केन्द्र, मांगा जवाब

जिले के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा आंगनवाड़ी केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कुछ केन्द्रों पर आंगनवाडी कार्यकर्ता एवं सहायिका अनुपस्थित पाई गई एवं स्वयं सहायता समूह द्वारा भोजन समय पर प्रदाय नहीं किय जा रहा था। कार्य में लापरवाही बरतने के कारण 4 परियोजना अधिकारी, 2 सुपरवायजर, 1 आंगनवाडी कार्यकर्ता, 1 सहायिका एवं सूरज स्व सहायता समूह को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किए गए हैं। कलेक्टर मिशा सिंह के निर्देशानुसार किए गए निरीक्षण की जानकारी देते हुए जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग रामनिवास बुधोलिया ने बताया कि निरीक्षण के दौरान परियोजना बाजना के अंतर्गत आंगनवाड़ी केन्द्र संदला-1 तथा परियोजना सैलाना के अंतर्गत बल्लापाड़ा आंगनवाड़ी केन्द्र बंद पाए गए एवं दोनों ही केन्द्रों पर कार्यकर्ता अनुपस्थित थी। परियोजना बाजना पर्यवेक्षक श्यामा सिंगाड़ एवं परियोजना सैलाना पर्यवेक्षक अनिता खांदल द्वारा आंगनवाडी कार्यकर्ता/सहायिका के कार्यो पर पर्याप्त नियंत्रण नही रखे जाने के पर कारण बताओं सूचना पत्र जारी किया गया।

इन्हें भी दिया कारण बताओ नोटिस

इन्हें भी दिया कारण बताओं नोटिस परियोजना अधिकरी रतलाम शहर 2 अर्चना माहौर, परियोजना अधिकारी जावरा ग्रामीण अंकिता पाटीदार, प्रभारी परियोजना अधिकारी आलोट मोनिका शुक्ला, प्रभारी परियोजना अधिकारी रतलाम ग्रामीण 2 फिरदौस खान द्वारा केन्द्र का संचालन नियमानुसार एवं संतोषजनक नहीं होने पर कारण बताओ सूचना पर जारी किया गया।

अफसरों से विधायक ने कहा- फूंक दूंगा तो पाक में गिरोगे

भिंड, 23 मार्च. भाजपा विधायक अम्बरीष शर्मा ने कहा है कि लहार की जनता अनाथ है, विधायक भी अनाथ है. उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि उनके धैर्य को कमजोरी न समझें. फूंक मारेंगे तो पाकिस्तान में जाकर गिरेंगे.

डॉ. गोविंद सिंह की कोठी के अतिक्रमण को लेकर अंबरीश शर्मा ने कहा कि पूर्व विधायक ने दलित समाज का रास्ता बंद कर रखा है. एसडीएम की नापजोख में रास्ता सरकारी निकला. हाईकोर्ट की डबल बेंच तक गए. सफलता नहीं मिली. पौने दो साल से धरना चल रहा है. सुनवाई नहीं हुई तो जेसीबी लेकर तोड़ने जाएंगे. भिंड प्रशासन पर भेदभाव के आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि भिंड, मेहगांव में रेत खदानें चालू हैं, लेकिन लहार में बंद करा रखी है, इस कारण लहार के लोगों को महंगी रेत खरीदनी पड़ रही है.

सरसों के भाव अधिक होने से सरकार के गोदाम खाली रहेंगे, किसानों को ज्यादा आमदनी

नीमच। रबी की इस सीजन में सरसों की बोवनी कम होने से सरसो का बाजार मूल्य अधिक होने से सरकार को समर्थन मूल्य मूल्य पर सरसों नहीं तोल पाएंगे क्योंकि सरसों का बाजार मूल्य अभी अधिकतम 6800 तक है जो पिछले सीजन से ज्यादा है सरकार का समर्थन मूल्य 6200 होने पर कोइ भी किसान अपनी अपनी उपज अधिकतम मूल्य पर सरकार को नहीं देते हुए मंडियो में बेचेंगे जिससे की सरकार गोदाम खाली रहेंगे सामान्यत: सरसों की बुवाई अक्टूबर नवंबर माह में हो जाती है इस साल ज्यादा बारिश होने से लोगों ने सरसों की बुवाई कम करी व गेहूं चना अन्य फसलों की बुवाई ज्यदा रही जिससे सरसों की आवक मंडियो में कम बनी हुई है सरसों की फसल प्रति बीघा के मन से 5 से 7 क्विंटल प्रति

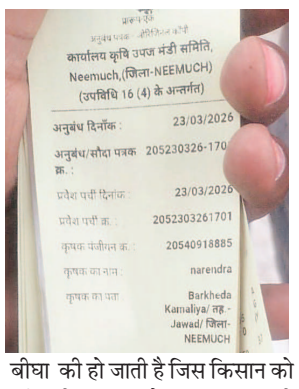

बीघा की हो जाती है जिस किसान को प्रति बीघा 35 से 40 हजार की फसल मूल्य मिल जाता है मंडियो में भाव ज़्यदा मिलने से किसानों को ज़्यदा फायदा हो रहा है सरकार का समर्थन मूल्य कम होने से कोइ भी किसान कम बाजार भाव से कम में नहीं तोलेगा जिससे सरकारी गोदाम खाली रहेंगे .

लोकसभा में उठाया बदहाल व्यवस्था और एसटीपी प्लांट का मुद्दा

▶ सांसद भारत सिंह ने की केंद्र सरकार से बजट की मांग

ग्वालियर, 23 मार्च. ग्वालियर लोकसभा क्षेत्र के विकास और जन-स्वास्थ्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए सांसद भारत सिंह कुशवाह ने लोकसभा में शून्यकाल के दौरान संसदीय क्षेत्र की बदहाल ड्रेनेज व्यवस्था और सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के अपग्रेडेशन की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित किया.

कुशवाह ने कहा कि ग्वालियर एक ऐतिहासिक, शैक्षणिक और औद्योगिक केंद्र के रूप में तेजी से विकसित हो रहा है, लेकिन आज भी शहर के अनेक हिस्सों में कच्चे नाले और अनियोजित सीवेज व्यवस्था है. इन खुले नालों के कारण डेंगू, मलेरिया, टाइफाइड और डायरिया जैसी संक्रामक बीमारियों के फैलने की संभावना रहती है.

उन्होंने कहा कि इसके साथ ही मानसून के दौरान कच्चे नालों में जलभराव के कारण उनका पानी सड़कों पर आ जाता है, जिससे न केवल यातायात बाधित होता है बल्कि खुले नालों में गिरने से नागरिकों की मृत्यु जैसी दुखद घटनाएं भी सामने आती हैं. उन्होंने विशेष रूप से डबरा क्षेत्र का उल्लेख करते हुए कहा डबरा में मानसून के दौरान कच्चे नालों के कारण प्रतिवर्ष जन-धन की हानि होने की घटनाएं होती है.

कुशवाह ने पर्यावरण प्रदूषण का मुद्दा उठाते हुए कहा कि ग्वालियर का अधिकांश सीवेज बिना किसी शोधन के सीधे नदियों और जल स्रोतों में प्रवाहित हो रहा है, जिससे भू-जल भी प्रदूषित हो रहा है सांसद भारत सिंह ने केंद्र सरकार और शहरी विकास मंत्रालय से मांग की है कि अमृत 2.0 योजना और अन्य शहरी विकास योजनाओं के तहत ग्वालियर के लिए आवश्यक वित्तीय प्रावधान सुनिश्चित किए जाएं. जिससे शहर में चरणबद्ध समग्र ड्रेनेज नेटवर्क बनाया जा सके और और पुराने कच्चे नालों को पक्के, सुरक्षित और ढके हुए ड्रेनेज सिस्टम में बदला जाए.

अतिक्रमण सिद्ध होता है तो 24 घंटे में हटा दूंगा : डॉ. सिंह

भिंड, 23 मार्च. लहार में विधायक अम्बरीष शर्मा के धरना प्रदर्शन पर डॉ. गोविंद सिंह, पूर्व नेता प्रतिपक्ष का बयान सामने आया है. डॉ गोविंद सिंह ने कहा कि 'प्रशासन और पूर्व के कलेक्टर ने मुझे अपमानित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी.

हमारे पास इसके प्रमाण हैं कि किस तरह गलत नाप-तोल कराई गई और रिपोर्ट बदलवाई गई. मैं जिला प्रशासन से अनुरोध करता हूं कि वे निष्पक्ष रूप से जांच कर लें, मकान तोड़ने की कोई जरूरत नहीं होगी. हम गांधीवादी लोग हैं और हिंसा में विश्वास नहीं करते.यह मकान मेरे या मेरे बेटे के नाम पर भी नहीं है, बल्कि मेरे भाई के नाम पर है. मैं शासन और प्रशासन से कहता हूं कि यदि यह जमीन शासकीय है, तो वे मुझे सिर्फ दस्तावेज़ दिखा दें, मैं खुद ही उसे एक मिनट में हटा लूंगा. मुझे प्रशासन के नोटिस या बुलडोजर की जरूरत नहीं है; अगर अतिक्रमण सिद्ध होता है, तो मैं 24 घंटे के अंदर उसे खुद साफ कर दूंगा.

एक नजर में

नियम तोड़ने वाले वाहनों पर 40,500 का जुर्माना

जबलपुर. परिवहन आयुक्त उमेश जोगा एवं कलेक्टर राघवेंद्र सिंह के निर्देश पर आरटीओ रिंकू शर्मा के नेतृत्व में नियमों का उल्लंघन कर संचालित यात्री वाहनों के खिलाफ सघन जांच अभियान चलाया गया. इस दौरान आरटीओ उड़नदस्ता टीम ने शहर में विभिन्न क्षेत्रों पर कार्रवाई की. जांच के दौरान वाहन क्रमांक एमपी 04 पीए 0680 को आवश्यक दस्तावेजों की कमी और कर वंचन के कारण जब्त किया गया. वहीं, वाहन क्रमांक एमपी 20 ई 6165 से 31,000 रुपए का राजस्व वसूला गया. इसके अलावा 7 अन्य वाहनों पर भी चालानी कार्रवाई की गई. इस पूरे अभियान में कुल 40,500 रुपए का राजस्व वसूला गया, जिससे परिवहन विभाग की सख्ती स्पष्ट नजर आई. कार्रवाई के दौरान प्रभारी राजेंद्र साहू, परिवहन उप निरीक्षक अक्षय पटेल, परिवहन आरक्षक इम्तियाज हुसैन, आशुतोष मोघे, धर्मेंद्र तोमर, धीरज खरे, शंकर झरिया सहित समस्त स्टाफ मौजूद रहा.

सोती रही पत्नी और बच्चे, पति ने लगाई फांसी

गुना. कैंट थाना क्षेत्र के बमोरी बुजुर्ग गांव में एक हृदयविदारक घटना सामने आई है. यहां 45 वर्षीय व्यक्ति ने अज्ञात कारणों के चलते अपने ही घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. घटना उस वक्त हुई जब मृतक की पत्नी और बच्चे गहरी नींद में सो रहे थे. जानकारी के अनुसार, बमोरी बुजुर्ग निवासी बाबूलाल लोधा उम्र 45 वर्ष पेशे से मिस्त्री का काम करते थे, रविवार रात रोज की तरह काम से घर लौटे थे.

उनकी पत्नी भी दिनभर गेहूं की फसल काटकर वापस आई थीं. रात में जब परिवार के सभी सदस्य सो गए, तब बाबूलाल ने कमरे में लगे लोहे के एंगल से तौलिये का फंदा बनाया और उस पर लटक गए. सोमवार सुबह करीब 6 बजे जब पत्नी और बच्चों की आंख खुली, तो कमरे के अंदर बाबूलाल का शव फंदे से लटकता देख उनके पैरों तले जमीन खिसक गई. घर में चीख-पुकार मचने के बाद आसपास के लोग जमा हो गए और तुरंत स्थानीय पुलिस को सूचना दी गई. सूचना मिलते ही कैंट थाना पुलिस मौके पर पहुंची.

पुलिस ने शव को फंदे से नीचे उतारा और अपने ही वाहन से जिला अस्पताल लेकर आई. मर्ग कायम कर पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है और परिजनों के बयान दर्ज किए हैं. परिजनों ने बताया कि बाबूलाल को किसी भी प्रकार की कोई जाहिर परेशानी या तनाव नहीं था. रविवार रात तक सब कुछ सामान्य था, लेकिन अचानक उठाए गए इस खौफनाक कदम ने सबको स्तब्ध कर दिया है. फिलहाल आत्महत्या के स्पष्ट कारणों का पता नहीं चल पाया है, पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है.

हाइवा की चपेट में आकर युवक की मौत

सतना. कोलगवां थाना क्षेत्र अंतर्गत कृपालपुर में शनिवार देर रात एक सडक़ हादसे में एक युवक की मौत हो गई. सतना-रीवा ओल्ड हाईवे पर कृपालपुर के पास एक तेज रफ्तार हाइवा ने सडक़ पार कर रहे युवक को कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई. प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान कृपालपुर निवासी 30 वर्षीय मिंटू विश्वकर्मा के रूप में हुई है. यह घटना रात लगभग 11:30 बजे हुई. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, रीवा की ओर से आ रहे हाइवा क्रमांक सीजी 05 क्कस्न 1923 ने मिंटू को रौंद दिया. बताया जा रहा है कि मिंटू विश्वकर्मा खाना खाने के बाद टहलने के लिए घर से कुछ ही दूरी पर निकला था, तभी यह हादसा हो गया.हादसे के बाद हाइवा अनियंत्रित होकर सडक़ से उतर गया और दुर्घटनाग्रस्त हो गया. चालक वाहन छोडक़र मौके से फरार हो गया. राहगीरों की सूचना पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची. पुलिस ने पंचनामा तैयार कर शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है. पुलिस मामले की जांच कर रही है और फरार हाइवा चालक की तलाश जारी है.

12 शहरों में 57 चोरियां करने वाले पकड़ाए

▶ बंटी-बबली स्टाइल में करते थे वारदात

▶ तीन राज्यों की पुलिस को थी दोनों की तलाश

ग्वालियर, 23 मार्च. मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश और गुजरात के 12 से अधिक शहरों में 57 चोरी की घटनाओं को अंजाम देने वाली गैंग बंटी-बबली की स्टाईल में 57 चोरियों की घटनाओं को अंजाम दे चुकी है, ग्वालियर पुलिस ने इंटरस्टेट चोर गैंग का खुलासा किया है.

यह गैंग फिल्मी अन्दाज में बंटी बबली की तरह चोरियों को अंजाम देते थे. पति-पत्नी की इस जोडी ने 3 राज्यों की पुलिस की नाक में दम कर रखा था. ग्वालियर पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है. पुलिस के अनुसार पति -पत्नी का नाम अरविंद रजक 32, और ज्योति रजक 30 है.

105 ग्राम सोना बरामद, कीमत 15 .75 लाख रुपए

पकड़े गए 'बंटी-बबली' से पुलिस ने अब तक 2 सोने के हार, 2 सोने की चेन, 4 सोने की अंगूठियां, 1 सोने का पेंडल, 3 सोने की लेडीज अंगूठियां, 1 जोड़ी सोने के ब्रेसलेट, 1 सोने की अंगूठी और 1 सोने का सिक्का बरामद किया है. पुलिस ने 105 ग्राम सोना जब्त किया है, जिसकी कीमत 15 लाख 75 हजार रुपए आंकी गई है. इसके साथ ही 2 लाख रुपए नकद भी बरामद हुए हैं. इस तरह कुल बरामद माल 17 लाख 75 हजार रुपए का है.

टारगेट तय करने के बाद वह 3 मोटर साईकिल का उपयोग करते थे. सूने मकानों की रेकी कर रात के अंधेरे में चोरी की घटनाओं को अंजाम देते थे. वह सिर्फ गहने और नगदी पर ही फोकस करते थे.

पुलिस ने बताया है कि महाराजपुरा इलाके में निरंतर हो रही 57 चोरी में अलग बाइक का उपयोग करते थे. एक के बाद एक 6 चोरी की घटनाओं में पुलिस पर दबाव बढ़ा दिया था.

डायरेक्टर को मिली जान से मारने की धमकी

ग्वालियर, 23 मार्च. संस्कृति मंत्रालय से जुड़ी मप्र सिंधी साहित्य अकादमी के निदेशक को जान से मारने की धमकी दी गयी है. अज्ञात कॉलर ने फोन कर रूपये मांगते हुए गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी है. लाला के बाजार इलाके में रहने वाले सिंधी अकादमी के निदेशक राजेश वाधवानी को अज्ञात नम्बर से फोन आया, कॉल करने वाले ने उनसे रूपये मांगते हुए धमकी दी है कि हिसाब कर दो, नही तो तुम्हारा हिसाब कर दिया जायेगा.

राजेश बाधवानी के पास दरमियानी रात लगभग 2.27 बजे फोन आया था. इसके बाद रात 4 बजे तक लगभग 6 बार फोन आया.

लेकिन बाद में वाधवानी ने फोन रिसीव नहीं किया. जब राजेश वाधवानी ने कॉलर से उसकी पहचान पूछी तो वह अपशब्द बोलने लगा और धमकाया कि तुम्हारे सारे पैसे चाहिये, नही तो बहुत बुरा होगा. कॉलर ने यह भी कहा है कि तुम बीजेपी की बहुत नेतागिरी करते हो, तुम्हारी नेतागिरी खत्म कर देंगे. सुबह जब वाधवानी ने अपने दोस्त राजेश वालानी को पूरी घटना बताई तो इस पर वालानी ने भी बताया कि उन्हें भी इसी नम्बर से धमकी भरा कॉल आया था. इससे मामला और भी गंभीर हो गया.

एफआईआर दर्ज

घटना के बाद राजेश वाधवानी ने एसएसपी धर्मवीर सिंह से मुलाकात कर पूरी जानकारी शेयर की. मामले की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी ने तत्काल माधोगंज थाना प्रभारी को एफआईआर दर्ज कर जांच के निर्देश दिये है.

रीवा रेलखंड डबल लाइन का हुआ निरीक्षण

▶ सीआरएस ने किया ट्रैक और सिस्टम का निरीक्षण

▶ डबल लाइन से ट्रेनों की रफ्तार बढ़ेगी

रीवा, 23 मार्च. रीवा-सतना रेलखंड में रेलवे के आधुनिकीकरण और विस्तार कार्यों को नई गति मिल रही है. इसी कड़ी में तुर्की से बगहाई स्टेशन के बीच तैयार की जा रही डबल लाइन का निरीक्षण किया गया. इस दौरान कमिश्नर ऑफ रेलवे सेफ्टी गुरु प्रकाश ने सुरक्षा मानकों का बारीकी से जायजा लिया.

निरीक्षण के दौरान डीआरएम कमल कुमार तलरेजा भी मौजूद रहे. अधिकारियों ने ट्रैक, सिग्नलिंग सिस्टम और अन्य तकनीकी व्यवस्थाओं की गहन जांच करते हुए निर्माण कार्य की गुणवत्ता और सुरक्षा पहलुओं का मूल्यांकन किया. इस दौरान यह सुनिश्चित किया गया कि डबल लाइन का संचालन शुरू होने से पहले सभी मानकों का पूर्ण रूप से पालन किया जाए. रेलवे अधिकारियों के अनुसार, इस परियोजना के पूरा होने से रीवा-सतना रेल मार्ग पर ट्रेनों की आवाजाही अधिक सुगम और तेज हो जाएगी. इससे न केवल यात्रियों को बेहतर सुविधा मिलेगी, बल्कि क्षेत्र के आर्थिक और औद्योगिक विकास को भी गति मिलेगी. डबल लाइन शुरू होने के बाद ट्रेनों के संचालन में देरी कम होगी और रेल यातायात अधिक व्यवस्थित हो सकेगा.

इससे यात्रियों को समय की बचत के साथ सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा का अनुभव मिलेगा.

शिक्षक पर किसानों की जमीन कब्जाने का आरोप

▶ विरोध करने पर अरनिया में सब्बल से हमला किया, दोनों पक्षों पर प्रकरण दर्ज

नीमच। जिले के सिंगोली थाना क्षेत्र स्थित अरनिया में एक सरकारी शिक्षक पर किसानों की निजी पट्टे वाली जमीन पर अवैध कब्जे की कोशिश और विरोध करने पर जानलेवा हमला करने का गंभीर आरोप लगा है। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है जिसमें आरोपी शिक्षक लोहे की सब्बल से मारपीट करता नजर आ रहा है। हमले में दो किसान गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिसके बाद ग्रामीणों में रोष है।

सरकारी नपाई में किसानों की निकली जमीन-पीड़ित किसान अशोक धाकड़ ने बताया कि शिक्षक सोहनलाल धाकड़ ने करीब दो माह पूर्व गांव के छह किसानों की भूमि पर लाल पत्थर डालकर कब्जा करने का प्रयास किया था। किसानों ने तहसील कार्यालय में आवेदन देकर जमीन की सरकारी नपाई करवाई, जिसमें भूमि किसानों की पाई गई।

इसी बात से नाराज होकर शिक्षक ने 14 मार्च को विवाद शुरू कर दिया और लोहे की सबल से हमला कर अशोक धाकड़ व ओमप्रकाश धाकड़ को लहुलुहान कर दिया।

दोनों पक्षों पर केस-सिंगोली थाना प्रभारी जितेंद्र वर्मा ने बताया कि यह घटना कुछ दिन पुरानी है। पुलिस को दोनों पक्षों की ओर से शिकायतें प्राप्त हुई थीं, जिसके आधार पर दोनों ही पक्षों के विरुद्ध वैधानिक धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। थाना प्रभारी ने बताया कि मामले के हर पहलू की सूक्ष्मता से जांच की जा रही है।

गिरफ्तारी न होने से ग्रामीणों में नाराजगी

घटना के कई दिन बीत जाने और वीडियो साक्ष्य सामने आने के बावजूद आरोपी शिक्षक की गिरफ्तारी न होने पर किसानों ने सवाल उठाए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि सरकारी सेवा में होने के बाद भी आरोपी पर अब तक कोई विभागीय कार्रवाई नहीं की गई है। पीड़ित पक्ष ने प्रशासन से आरोपी को तत्काल गिरफ्तार करने और निष्पक्ष जांच कर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की है।

9 माह में 92 .56 लाख की ठगी की धनराशि लोगों को लौटाई

▶ रतलाम सायबर सेल की बड़ी उपलब्धि

तलाम। ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी के मामलों में पीड़ितों को राहत दिलाने हेतु रतलाम पुलिस की सायबर सेल द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। सायबर सेल ने जुलाई 2025 से फरवरी 2026 तक कुल 96 लाख 56 हजार की ठगी गई राशि फरियादियों के खातों में वापस दिलाने में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की है।

पुलिस टीम ने वर्षवार कार्रवाई

▶ वर्ष 2025 में (जुलाई से दिसंबर तक)— 51,89,424 राशि फरियादियों के खाते में लौटाई

▶ वर्ष 2026 (जनवरी-फरवरी) — ?40,66,632 राशि लौटाई

कुल राशि —92,56,000 (बानवे लाख छप्पन हजार रुपये)